आते है नये दौर पुराने नही आते

जो बीत गया वह पल दुबारा नही आते,
आते है नये दौर पुराने नही आते,

लकड़ी के मकानो मे चिरागे ना चलाया करो,
लग जायेगी गर आग बुझाने नही आते,
आते है नये दौर पुराने नही आते.....

इस पेड़ की छाओ मे बसेरा नही होता है मेरा,
लग जायेगी गर ऑख जगाने नही आते,
आते है नये दौर पुराने नही आते.....

गायक रसीद मयूर (राधे) इटावा राजस्थान
रहीस मयूर इटावा

Source: https://www.bharattemples.com/aate-hai-naye-dor-purane-nhi-aate/

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw